

राजनीति विज्ञान

अनुक्रमणिका

संविधान की प्रगति

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्रमांक
१.	संविधान की प्रगति	६९
२.	चुनाव प्रक्रिया	७५
३.	राजनीतिक दल	८२
४.	सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन	९१
५.	भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख चुनौतियाँ	९७

क्षमता विधान

अ.क्र.	घटक	क्षमताएँ
१.	संविधान की प्रगति	<ul style="list-style-type: none"> ■ संविधान के कारण भारतीय लोकतंत्र सशक्त हुआ; इसका बोध करना । ■ संविधान की प्रगति सामाजिक परिवर्तन की दिशा में हो रही है, इसे बता सकना ।
२.	चुनाव प्रक्रिया	<ul style="list-style-type: none"> ■ निर्वाचन आयोग के महत्त्व को समझना । ■ चुनाव में प्रत्येक मतदाता वोट दे और यह उसका संवैधानिक उत्तरदायित्व है; यह बोध विकसित करना । ■ चुनाव प्रक्रिया में जनता की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है; उसे पहचानना । ■ चुनाव प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने के लिए वीडियो क्लिप की सहायता लेना । ■ निर्वाचन क्षेत्र के मानचित्र में स्वयं के निर्वाचन क्षेत्र को ढूँढ़ना । लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को ढूँढ़ना और दर्शाना ।
३.	राजनीतिक दल (राष्ट्रीय)	<ul style="list-style-type: none"> ■ राजनीतिक दलों की जिम्मेदारियों एवं कार्यों को समझना । ■ नवगठित राजनीतिक दलों की कारण मीमांसा करना आना । ■ भारत के राजनीतिक दलों की नीतियों के बीच तुलना करके निष्कर्ष निकालना। ■ राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्नों की संग्रह सारिणी बनाना ।
४.	राजनीतिक दल (प्रादेशिक)	<ul style="list-style-type: none"> ■ महाराष्ट्र के प्रादेशिक दलों के सिद्धांत और कार्यों को बताना । ■ किसी दल के नेताओं, उनकी सभाओं से संबंधित समाचारों का संग्रह करना । ■ क्षेत्रीय दल प्रबल क्यों बनते हैं, उसपर विचार-विमर्श करना आना ।
५.	सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन	<ul style="list-style-type: none"> ■ सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का अर्थ ग्रहण करना । ■ सामाजिक आंदोलन जनजागृति के लिए कौन-कौन-से मार्गों को अपनाते हैं, उसे पहचानना आना । ■ महिला और अन्य दुर्बल वर्गों के सक्षमीकरण का अर्थ बताना आना । ■ किसानों और श्रमिकों की माँगों की जानकारी प्राप्त करना । ■ विद्यार्थी आंदोलन से संबंधित समाचारपत्रों में प्रकाशित समाचारों को संग्रहित करना ।
६.	भारत के सामने चुनौतियाँ	<ul style="list-style-type: none"> ■ 'विविधता में एकता' का अर्थ स्पष्ट करना आना । ■ भारत की विविधता के प्रति सम्मान करने की वृत्ति को विकसित करना । ■ विभिन्न चुनौतियों का वस्तुनिष्ठ स्वरूप स्पष्ट करना । ■ आंतरिक चुनौतियों का सामना किस प्रकार किया जाता है, इसका विवेचन करना आना ।